कार्यालय नगरपालिका मण्डल, मेड़ता सिटी (नागौर)

टेलीफोन नं0 01590–220012 ई–मेल–npmetracity@gmail.com

क्रमांक : न.पा.मे./ 7004 दिनांक : 13/03/19

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि **केसर देवी स्कूल,** बोरून्दा रोड़ मेड़ता सिटी में आग बुझाने के लिए छः गैस सिलेण्डर व चार मिट्टी से भरी बाल्टियां स्कूल परिसर में लगी हुई है, स्कूल में फायर सैफ्टी उपकरण लगे हुए है, स्कूल बिल्डिंग का निर्माण फायर सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए किया गया है, तथा बिल्डिंग के चारो तरफ फायर की गाड़ी घुमने के लिए पर्याप्त रास्ता छोड़ा गया है।

अतः यह प्रमाण पत्र मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से जारी किया जाता है।

नगरपालिका, मेड़ता सिटी जिला–नागौर

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मेड़ता सिटी

Gujarat Patrika 28/05/19

मेड़ता के स्कूल में हुआ मॉक ड्रिल

शहर की एकमात्र फायर सेफ्टी स्वीकृत संस्थान में अग्निशमन दस्ते को दिया प्रशिक्षण

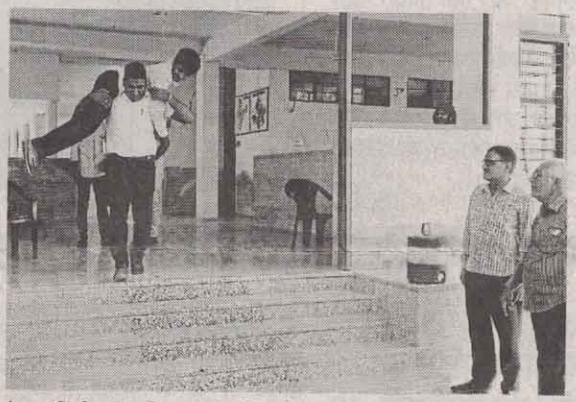

मेड़ता सिटी. मॉक ड्रिल कार्रवाई के दौरान स्कूल में फसे विद्यार्थी को कंधे पर लेकर निकलते हुए पालिका ईओ।

मेड़ता सिटी. सूरत शहर स्थित कोचिंग इंस्टीट्यूट में हुए अग्निकांड को देखते हुए सोमवार को मेड़ता नगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारियों ने आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए शहर के एक स्कूल में मॉक ड्रिल के तहत आपदा प्रबंधन की मौजूदा हालात का जायजा लिया। सुबह 11 बजे फायर सेफ्टी स्वीकृति प्रदान जोधपुर मार्ग स्थित निजी शिक्षण संस्थान केसरी देवी स्कूल में नगरपालिका की अग्निशमन टीम द्वारा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एक मॉड ड्रिल की गई। जिसमें संस्थान के किसी भी फ्लोर में आग लगने की स्थिति में क्या-क्या जरुरी कार्य किए जाए इसको लेकर प्रशिक्षण दिया गया। मॉक ड्रिल में पालिका ईओ जितेन्द्र भाटी, एईएन नरेन्द्र चौधरी, निरीक्षक शिवलाल बाना, जितेन्द्र सुथार, अशोक रातंगवाल सहित फायरकार्मिकों ने आपदा के समय बचाव के कार्यो का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान संस्थान निदेशक राजीव कुमार बेहरा, रुचिर चौधरी, प्रियंका बेहरा सहित संस्थान के शिक्षक, कार्मिक, विद्यार्थी मौजूद रहें। नगर

20 संस्थानों को थमाए नोटिस

सूरत दुखांतिका के बाद प्रदेश में चेते नगरपालिका प्रशासन ने लोगों को फायर सेफ्टी सिस्टम की अनिवार्यता को लेकर एक अभियान भी चलाया। अभियान के तहत पालिका ने सोमवार को शहर के होटल नटराज, राजपैलेस, शिक्षण संस्थान एसलएबीएस, एमपीएस, श्रीराम डिफेंस एकेडमी, बी-स्क्वायर, एमडीएस, शिशु निकेतन तथा व्यवस्तम मार्ग स्थित चारभुजा कॉम्पलैक्स सहित 20 बड़े व्यवसायिक प्रबंधकों को फायर सेफ्टी के नोटिस जारी किए है। अभियान के तहत 60 के करीब शहर के छोटे व्यवसायिक संस्थानों को भी आगामी दिनों में फायर सेफ्टी को लेकर नोटिस जारी किए जाएंगे।

में ऐसे 80 से ज्यादा कॉम्पलेक्स, रेस्टोरेंट, होटल, शिक्षण संस्थान, चिकित्सालय हैं। जहां प्रतिदिन विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना लग रहता है। जहां सुरक्षा के लिहाज से सेफ्टी फायर सिस्टम अनिवार्य है। इसके विपरित शहर के एकमात्र शिक्षण संस्थान तथा दो निजी चिकित्सालय द्वारा ही नगरपालिका से फायरा सेफ्टी स्वीकृति ली हुई है। ऐसे देखा जाए तो शहर के 97 प्रतिशत कॉम्पलैक्स, रेस्टोरेंट, होटल, शिक्षण संस्थान, चिकित्सालय, व्यवसायिक भवन सूरत जैसे हादसे को न्यौता दे रहे हैं।

Kesari (28/05/19)

नगर पालिका टीम ने की मॉक ड्रील

विद्यालय में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मॉकड्रिल करते नपा कार्मिक। (छाया : पंजाब केसरी)

मेड़तासिटी,(रामस्वरूप टाक): हाल ही में सूरत के एक तक्षशिला कॉचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड के देखते हुए सोमवार को जोधपुर-बोरुंदा रोड पर स्थित केसर देवी स्कूल के नवीन प्रांगण में नगर पालिका की अग्निशमन टीम की ओर से आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एक मॉक ड्रिल की गई। जिसमें आग लगने की स्थिति में क्या-क्या जरूरी कार्य करने पड़ते हैं। उनसे सभी को अवगत कराया। इसमें अग्निशमन यंत्र,अग्निशमन गाड़ी,अग्निशमन सीढ़ियां तथा बालटियों का उपयोग कर के दिखाया गया तथा आपातकालीन परिस्थिति में मुसीबत में फंसे लोगों को किस तरह बचाया जाए इसका भी प्रदर्शन किया। इसके अलावा अग्निशमन टीम की ओर से स्कूल का फायर व आपाताकालीन दृष्टि से अवलोकन भी किया गया तथा स्कूल में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के यंत्र भी चैक किए गए। जो कि चालू व सही अवस्था में पाए गए। इस मॉक ड्रिल में नगर पालिका ईओ जितेंद्र भाटी, एईएन नगरपालिका नरेंद्र चौधरी, सफाई निरीक्षक शिवलाल बाना, संस्था निदेशक राजीव कुमार बेहरा व रूचिर चौधरी मौजूद रहे।

28/05/19

दैनिक नवज्योति
बढ़ना है तो पढ़ना है
NAVAJYOTI

मेड़ता। मॉक ड्रिल के दौरान जुटी पालिका टीम एवं बालक का लेकर आते ईओ चौकीदार। -आरिफ अंसारी

केसर देवी स्कूल में आग से मची अफरा-तफरी

पालिका दल ने मॉक ड्रिल के जरिए बचाव के साथ दिया जागरुकता का संदेश

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मेड़ता

सूरत में हुए अग्निकांड ने पूरे देश का हिला कर रख दिया। सूरत अग्निकांड के बाद ऐसी आपातकालीन स्थिति से निपटने को लेकर पूर जोर तरीके से मांग उठने लगी है। ऐसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सोमवार को नगर पालिका मेड़ता टीम की ओर से केसरदेवी स्कूल में एक मॉक ड्रिल की गई। जिसमें आग लगने की स्थिति में क्या-क्या जरूरी कार्य करने पड़ते है। उनसे सभी को अवगत कराया। इसमें अग्निशमन यंत्र, अग्निशमन गाड़ी अग्निशमन सीढियां तथा बालटियों का उपयोग करके दिखाया गया। वहीं आपातकालीन परिस्थिति में लोगों को किस तरह बचाया जाए इसका भी प्रदर्शन किया।

मॉक ड्रिल के दौरान पालिका अधिशासी अधिकारी जितेन्द्र चौकीदार ने ना केवल सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि इस मॉक ड्रिल में ई ओ चौकीदार स्वयं ने एक विद्यार्थी को अपने कंधों पर बैठाकर स्कूल के अंदर से दौड़ते हुए उसको बाहर तक लेकर आए। इसके अलावा अग्निशमन टीम द्वारा स्कूल का फायर व आपाताकालीन दृष्टि से अवलोकन भी किया गया एवं स्कूल में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के यंत्र भी चैक किए गए। जो कि चालू व सही अवस्था में पाए गए। मॉक ड्रिल में पालिका सहायक अभियंता नरेन्द्र चौधरी, स्वास्थ्य निरीक्षक शिवलाल बाना, संस्था निदेशक राजीव कुमार बेहरा, रूचिर चौधरी आदि शामिल हुए।

पेट्रोप पंप पर बताई फायर सेफ्टी की उपयोगिता

मकराना। शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर आग लगने की स्थिति

से निपटने के तरीकों से लोगों को अवगत कराया गया। नगर परिषद एवं दमकल कार्मिकों ने शहर के पैट्रोल पंपों पर पहुंचकर अचानक लगने वाली आग पर काबू पाने के तरीकों की जानकारी दी। इसी प्रकार शहर के मंगलाना सड़क मार्ग स्थित सीबीएम अस्पताल के कार्मिकों को भी फायर सेफ्टी की उपयोगिता के बारे में बताया। साथ ही यहां पर फायर सेफ्टी के लगे उपकरणों सहित आग पर काबू पानी के लिए लगाए गए पाइप का उपयोग करते हुए इनके माध्यम से आग बुझाने की जानकारी दी गई।

Dainik Bhaskar : 28/05/19

सूरत में अग्निकांड के बाद मेड़ता स्कूल में सेफ्टी मॉक ड्रिल

फायरमैन के 10 में से 9 पद खाली, काम चलाने 5 संविदा पर

विडम्बना : फायर ब्रिगेड में मैन पावर का टोटा, इसलिए बड़ा हादसा होने पर बिगड़ सकते हैं हालात

भास्कर संवाददाता | मेड़ता सिटी

पिछले दिनों सूरत की एक कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड के बाद स्थानीय निकाय विभाग ने प्रदेश की सभी नगरपालिकाओं को अपने-अपने क्षेत्र में फायर सेफ्टी के लिए मॉक ड्रिल करने के आदेश दिए। इस आदेश की पालना में मॉक ड्रिल शुरू हो गई हैं। मगर मेड़ता नगरपालिका की फायर ब्रिगेड संसाधनों सहित फायरमैन के रिक्त पदों से जूझ रही है। हालांकि सोमवार को पालिका ईओ जितेन्द्र भाटी के नेतृत्व में केसर देवी स्कूल तथा चारभुजा हॉस्पिटल व विनायक हॉस्पिटल में सेफ्टी फायर के लिए मॉक ड्रिल का सफल परीक्षण किया गया। मगर रिक्त पदों की मार झेल रहे इस विभाग में फिलहाल हालत आग लगने पर कुंआ खोदने जैसे हैं। मैन पावर की कमी कभी अग्निकांड होने पर हादसे का सबब बन सकती है। गौरतलब है कि लंबे समय से मेड़ता की फायर ब्रिगेड शाखा के पास अपना निजी भवन भी नहीं है। पिछली सरकार ने यहां 25 लाख की लागत से नया फायर स्टेशन बनवाया मगर वह लेटलतीफी का शिकार हो गया। इस बीच दो बार आचार संहिता लगने के कारण उसका लोकार्पण भी नहीं हो पाया।

मेड़ता सिटी. स्कूल में मॉक ड्रिल के दौरान आग बुझाते दमकलकर्मी।

मेड़ता सिटी. घायल को स्कूल परिसर से बाहर लाते हुए।

मात्र एक स्थाई व पांच संविदा कर्मियों के भरोसे फायर स्टेशन

मेड़ता नगरपालिका में एक कमरे में संचालित हो रहे फायर स्टेशन में मैन पावर का टोटा है। अधिकृत जानकारी के अनुसार यहां पर 10 फायरमैन के पद स्वीकृत हैं मगर वर्तमान में एक फायरमैन ही स्थाई रूप से कार्यरत है जबकि शेष पद रिक्त हैं। सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत यहां 5 संविदाकर्मी तैनात कर रखे हैं तथा शेष 4 पदों पर ऑटो चालकों को लगा रखा है। आग लगने की सूचना मिलने पर ये लोग अपनी डयूटी समयानुसार फायर ब्रिगेड में शामिल होकर मौके पर जाते हैं। पालिका अधिकारी भी मानते हैं कि भले ही आग लगने की घटनाएं कम हो मगर यहां पूरा जाब्ता तैनात रहना चाहिए। अन्यथा कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

80 किलोमीटर की परिधि में मात्र 2 दमकल

मेड़ता सिटी नगरपालिका में संचालित हो रही एक बड़ी व एक छोटी दमकल गाड़ी मेड़ता शहर के अलावा बुटाटी धाम से लेकर पुष्कर के निकट बाड़ीघाटी तक के एरिया को कवर करती है। यानि 80 किलोमीटर के दायरे में कहीं भी आग लगती है तो उसे बुझाने के लिए मेड़ता सिटी की दमकलें ही जाती हैं। ये दमकलें पाली जिले के कुड़की और जोधपुर जिले के खारियां खंगार गांव तक भी जाती है।

जल्द कराएंगे फायर स्टेशन के नए भवन का लोकार्पण

शहर की फायर ब्रिगेड में लंबे समय से पद रिक्त हैं। हमारे पास एक ही स्थाई फायरमैन है मगर हमने संविदाकर्मियों व ऑटो चालकों को इस अग्निशमन दल में लगा रखा है। अब आचार संहिता हटी है जल्द ही फायर स्टेशन के नए भवन का लोकार्पण कराएंगे।

जितेन्द्र भाटी, ईओ, नगरपालिका, मेड़ता सिटी।

केसरदेवी स्कूल में किया सफल परीक्षण, यहां सेफ्टी व्यवस्था भी मिली सुचारू

सूरत में हुए अग्निकांड के देखते हुए सोमवार को शहर के जोधपुर रोड स्थित केसर देवी स्कूल के नवीन प्रांगण में नगरपालिका की अग्निशमन टीम द्वारा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एक मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान पालिका ईओ जितेन्द्र भाटी के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड टीम ने आग बुझाने व घायलों को संभालने व आपात स्थिति से निपटने का सफल परीक्षण किया। इसमें अग्निशमन यंत्र, अग्निशमन गाड़ी, अग्निशमन सीड़ियां, तथा बाल्टियों का उपयोग करके दिखाया गया। इसके अलावा अग्निशमन टीम द्वारा स्कूल का फायर व आपताकालीन दृष्टि से अवलोकन भी किया गया तथा स्कूल में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के यंत्र भी चैक किए गए। जो कि चालू व सही अवस्था में पाए गए। इस दौरान ईओ जितेंद्र भाटी ने मॉक ड्रिल के दौरान खुद घायलों को कंधे पर लादकर खुले में सुलाया और उन्हें आग से बचाया। पालिका एईएन नरेंद्र चौधरी, सफाई निरीक्षक शिवलाल बाना, संस्था निर्देशक राजीव कुमार बेहरा व रूचिर चौधरी, प्रिंसिपल प्रियंका बेहरा आदि मौजूद थीं।